मोहयाल मित्र

■ *रिपोर्ट*

उत्तराखण्ड की त्रासदी में जी.एम.एस. का सहयोग

10 जुलाई 2016 को जी.एम.एस. की मासिक बैठक चल रही थी, योगेश मैहता, चैयरमैन (यूथ) ने सूचना दी कि उत्तराखण्ड के पिथोरागढ़ जिले के कुछ गाँव बस्तेरी, पो.ओ. जिंघली, जिला पिथोरागढ़ व साथ लगते गाँव में बादल फटने से बाढ़ में तबदील हो गए। उसी क्षेत्र के समाज सेवी श्री भरत सिंह पोखरिया जी ने योगेश जी को सूचना दी कि बहुत से लोग बेघर हो गए और लगभग 29 व्यक्ति काल के ग्रास हो गए, जिनमें से आठ के शव अभी भी मलवे में दबे हैं। पौखरिया जी ने केदारनाथ में आई आपदा में भी जीएमएस की ओर से बाढ़ पीड़ितों की सहायता की थी। समाचार सुनते ही इंसानियत के पुजारी, दयालू हृदय जी.एम.एस. के अध्यक्ष परम आदरणीय रायज़ादा बी.डी. बाली जी का हृदय पीड़ा से पिगल गया। अत्यन्त भावुक एवं संवेदनशील हृदय से पीड़ा का एहसास करते हुए, उन्होंने बैठक में उपस्थित लोगों से बाढ़ पीड़ितों की सहायता की अपील की। उपस्थित सदस्यों ने यथा शक्ति धन राशि एकत्रित की और योगेश को तत्काल जरूरी सामान खरीद कर पिथोरागढ़ जाने का आदेश दिया।

योगेश मैहता और ऋत मोहन सचिव (पीआर) जी.एम.एस कुछ सामान गाड़ी में लेकर और कुछ ट्रांसपोर्ट पर बुक कर के तुरन्त पिथोरागढ़ को रवाना हुए। 14 घंटे की यात्रा करके पिथोरागढ़ पहुँचे वहां श्री भरत सिंह पौखरिया जी की इन्तजार कर रहे थे। अगले दिन पौखरिया जी दोनों को साथ लेकर लगभग 60 किलोमीटर दूर त्रासदी ग्रस्त गाँव में पहुँचे। बीच–बीच में आदरणीय बाली जी के फोन आते रहे और साथ में श्री पी.के. दत्ता जी व उपप्रधान व ले.कर्नल वैद महासचिव हौसला बढ़ाते रहे। गाँव में एक छोटी सी दुकान थी, जहाँ कुछ अन्य समाज सेवी संस्थाओं ने भी दान दिया था। उस गरीबी और आपती में भी दुकानदार कृतज्ञ मन से और ईमानदारी से सामान बाँट रहे थे। दुकान दार से योगेश मैहता ने पानी की बोतल ली तो पैंसे लेने से इन्कार करते हुए कहा यह आप जैसे समाज सेवीकों द्वारा दिया गया है, इसके पैंसे नहीं लेंगे। घोर गरीबी और संकट में भी ईमानदारी देख कर उन लोगों की बुद्धि पर तरस आया जो ऐसी स्थिति में भी त्रुटीयाँ ही ढूंढते हैं। सच्ची सेवा के भाव में ढोंग नहीं होता। निंदकों की नज़र में ही खोट हो तो उसका क्या इलाज? वहाँ गोबिन्द पंत, भट्ट नाम के बुर्जुग ब्राह्मण मिले, जिनके परिवार के सदस्य इस त्रासदी के शिकार हुए थे और उन्होंने एक बेटा बेटी से मिलाया व चार और नन्हें बच्चों से मिलवाया, जिनके माता–पिता इस आपदा के शिकार हो गए थे। पीड़ित बच्चों को कुछ नकद राशी व सामान दिया तथा भट्ट जी ने बाकी सामान भी अपने हाथों से व पौखरिया जी के साथ बंटवाया। यह पुनीत कार्य संपन्न कर हृदय में आनन्द का अनुभव करते हुए भगवान का धन्यवाद करते हुए उसके बाद भरत सिंह जी पोखरिया हमें त्रासदी स्थल पर ले गए, जहाँ पशु और इन्सान मलवे में दबे हुए थे। भारी बदबू आ रही थी। कुछ पल ठहरना भी कष्टकारी लग रहा था।

वहाँ रजंना भट्ट नाम की महिला मिली, जिसके परिवार के दो सदस्य दूसरों की जान बचाते हुए मृत्यु को प्राप्त हुए। उसकी दयनीय दशा देखकर आँखों में आँसू टपकना स्वाभाविक था। एक सकून के साथ वापसी की यात्रा शुरू हुई। थोड़ी दूर चलते ही भू–स्खलन व ऊपर से पत्थरों का गिरना शुरू हो गया। मौत का मंजर सामने था। किसी तरह पत्थर हटाकर तंग रास्ते से आगे बढ़े और पिथरोगढ़ पहुँचे। वहाँ टी.वी. में समाचार सुना कि बढ़ी चट्टाने गिरने से सभी रास्ते बंद हो चुके और सात दिन का हाई अलर्ट घोषित किया गया।

आदरणीय रायज़ादा बी.डी बाली जी, आदरणी श्री पी.के. दत्ता जी व आदरणीय कर्नल वैद जी फोन पर सदस्यों की कुशलता का समाचार पूछते रहे और सावधान रहने के साथ–साथ हौंसला बढ़ाते रहे। बाकी का सामान वहाँ देकर वापिस दिल्ली लौट आए। हम अपनी सभा के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के आभारी हैं, जिनके सहयोग व आशीर्वाद से यह पुण्य कार्य सम्पन्न हुआ।

ऋत मोहन, *सचिव (पी.आर.) जी.एम.एस*

Donate Rs.11,000/ towards Langar Fund of Mohyal Ashram, Vrindavan

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

■ *स्वतंत्रता-दिवस के अवसर पर*

देश और ज़िंदगी

■ **अशोक लव**

यह आन बान शान भरा तिरंग है ज़िंदगी,
यह सागर, यह हिमालय, यह गंगा है ज़िंदगी।

खिले खिले ये फूल, शीतल बयार है ज़िंदगी,
ईद होली क्रिसमस, हर त्योहार है ज़िंदगी।

नाचते गाते लोग, सब मस्तियाँ हैं जिंदगी,
दीवाली-सी जगमगाती, बस्तियाँ हैं ज़िंदगी।

शहीद और फौरती की, कहानियाँ है ज़िंदगी,
आज़ादी के लिए दी, कुर्बानियाँ हैं ज़िंदगी।

बर्फीली ठंडक में बढ़ते, जवान हैं ज़िंदगी,
हरियाली के मीत गाते, किसान हैं ज़िंदगी।

यह मिट्टी, यह हवा, यह आसमां है ज़िंदगी,
देश संवारने का हर अरमान, है ज़िंदगी।

यह आन बान शान भरा तिरंगा है ज़िंदगी,
यह सागर, यह हिमालय, यह गंगा है ज़िंदगी।

मोहयालों को शुभकामनाएं

रक्षा-बंधन (राखी) के त्योहार पर सभी भाई-बहनों को शुभकामनाएँ। आपस में स्नेह बना रहे। राखी के धागों में बंधा प्यार आप दोनों को आजीवन सुखमय आनंदमय रखे।

स्वतंत्रता-दिवस के अवसर पर सभी देश वासियों को बधाई! भारत आतंकमुक्त हो, लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दल संकीर्ण मानसिकता से ऊपर उठकर, दलगत राजनीति छोड़कर देश-सेवा का प्रण लें। समस्त भारतवासी अपना समुचित विकास करें। *–जनरल मोहयाल सभा*

रायज़ादा बी.डी. बाली जी को बधाई

जनरल मोहयाल के अध्यक्ष और मोहयाल बिरादरी के मार्गदर्शक मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली जी को उनके जन्म-दिन की बधाई। वे स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों और इसी प्रकार बिरादरी का मार्गदर्शन करते रहें।

एक सोच

देश भर में महिला सशक्तिकरण की गूँज है। जहाँ देखिए वही सब नारा देते हैं, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'। महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिलाने की बात भी सभी करते हैं। जब यह बातें होती हैं, तब समाज के ब्रॉडमांइडेड होने का भ्रम होने लगता है। पर एक प्रश्न जो में अक्सर सोचने पर विवश हो जाती हूँ कि क्या महिलाएं, वास्तविकता में सशक्त हुई है? या जाने-अनजाने हमने उन पर दोहरा बोझ लाद दिया है।

माता-पिता के घर तक, लड़कियों को इस भेद-भाव का सामना शायद कम ही करना पड़ता है। बेटियों को बेटों के बराबर शिक्षा दी जाती है व उनकी हर इच्छा को पूरी करने का सदैव प्रयत्न किया जाता है। उसके बाद बेटी के लिए सुयोग्य वर ढूँढ़कर विवाह किया जाता है व दान-दहेज के साथ, पढ़ी लिखी, कामकाजी लड़की को ससुराल विदा कर दिया जाता है।

और फिर क्या...?? लड़की सुबह होते ही घर का काम काज निपटा कर, पहुँच जाती है, अपने ऑफिस पर। लिपिस्टिक तो लगी हुई दिख जाती है, पर वह चाय-नाश्ते के बिना घर से निकली है, यह किसी को मालुम नहीं चलता। वहाँ सारा दिन ऑफिस काम के बाद जब वह घर लौटती है, तब खाना बनाना, बच्चों को पढ़ाना व छोटे छोटे अन्य घर के काम निपटाते हुए, देर रात हो जाती है। व यह कोई एक दिन, सप्ताह या महीने की बात नहीं। यह उसकी दिनचर्या बन जाती है जो बरसों तक चलती रहती है। इसके बाद अपेक्षाओं का अंत नहीं व तारीफ का प्रश्न नहीं। क्यों ?? क्योंकि यह सब तो उस नारी की ड्यूटी व responsibilities मान ली जाती है। खाना तो बनाएगी ही... बच्चों व घर का ध्यान तो रखना ही है। कहीं न कहीं हमने अपने मस्तिष्क में एक Super women की picture बना ली है, जो हर काम चुटकी बजाते ही कर लेती है। पर मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि सुपर वुमन बनने की दौड़ में, और हर काम परफैक्ट करने की चाह में औरतें टूट जाती है, खो जाती हैं। उनकी जिंदगी रन मशीन हो जाती है व इतने बोझ में वह कहीं दब जाती है। उम्मीदों का सिलसिला भी यही खत्म नहीं होता। पुरानी धारणाएँ कि

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

''नारी प्रेम व सहनशीलता की मूर्त है। क्रोध, अहंकार से कोसों दूर...'' । इसलिए अगर वह नारी क्रोध करे या कुछ बोले तब वह भी हमें Tolerable नहीं होता। पर इस बीच अगर किसी पर Stress level निरंन्तर बढ़ता जाता है, तो वह है, हमारी बेटियां या बहुएँ।

नारी शिक्षित है, काम काजी है, आर्थिक रूप से भी सशक्त है पर क्या इतना होने पर भी उन्हें अपना निर्णय लेने का अधिकार है? क्यों उसे अपनी पहचान के लिए किसी पुरुष का मुथाज होना पड़ता है। क्या केवल कानून बनाकर हमने नारी को सशक्त कर दिया?

नारी किसी भी मामले में पुरुषों के बराबर नहीं, अपितु हर मामले में पुरुषों से अधिक सशक्त है। अगर हम अपनी बेटियों को खुश देखना चाहते हैं तो हमें अपने बेटों को समझाने की जरूरत है कि अगर लड़कियाँ बाहर नौकरी कर परिवार को वित्तीय जरूरतें पूरी कर सकती है। तो लड़के घर के छोटे छोटे कामों में हाथ क्यों नहीं बाँट सकते!

अगर हम चाहते हैं कि नौकरी वाली बहु हो जो बेटों को थोड़ा सहयोग करे तो हमें बहुत को सहयोग देने के लिए बेटों को भी तैयार करना चाहिए, तभी घर रूपी गाड़ी आराम से चलेगी। इसीलिए, As a family, as a society यह हमारी prime responsicility है कि हम लड़कियों को भी हर तरह से support करे। क्योंकि वह खुश रहेंगी तभी पूरे परिवार व समाज को खुशियों से भर सकेंगी।

नीलिमा दत्ता मेहता *(सदस्य मैनेजिंग कमेटी, जीएमएस)*

यहाँ मिलता हैं मुफ़्त गरीब को पंसद का खाना

कनाडा के ऐडमॉटन शहर में एक ऐसा रेस्त्रां हैं जहाँ भूखे व गरीब लोगों को मनपंसद खाना खिलाया जाता है। वह भी मुफ्त में। 'इंडियन फ्यूजन' नाम के इस रेस्त्रां को चलाते हैं भारतीय मूल के प्रकाश छिब्बर। छिब्बर बताते हैं कि रेस्त्रां ऐसे लोगों के लिए हमेशा तैयार रहता है, जिनके पास खाने के लिए पैंसे न हों। इस रेस्त्रां में गरीब और मजबूर लोग नियमित ग्राहक की तरह आकर खाने का लुत्फ उठा सकते हैं।

बड़ी बात ये है कि रेस्त्रां में भूखे लोगों को सिर्फ खाना ही नहीं दिया जाता, उनकी पंसद का ख्याल भी रखा जाता है। उनसे वेज, नॉनवेज की पंसद पूछी जाती है। अगर किसी चीज से एलर्जी या परहेज हो तो उसका भी ख्याल रखा जाता है। रेस्त्रां के मालिक प्रकाश छिब्बर ने अतीत में भूख की तकलीफ देखी है, उनका कहना है कि भूख की पीड़ा व खाना न होने की तकलीफ मैं समझता हूँ। उन्होंने कहा मैंने सोचा कि मैं कितने लोगों से जाकर पूछ सकता हूँ कि क्या आप भूखे हैं? संभव नहीं है इसलिए मैंने सोचा रेस्त्रां के बाहर साइन बोर्ड लगा दूँ ताकि भूखे, गरीब लोगों की मदद हो सकें।

छिब्बर जी पहले दिल्ली रहते थे और एक हादसे के बाद उनकी नौकरी चली गई। उन तकलीफदेह दिनों को याद करते हुए वे कहते हैं कि हादसे के बाद शरीर में नौ फ्रैक्चर थे। दो साल तक मैं बिस्तर से उठ नहीं पाया। उस दौरान मैंने और परिवार ने भूख की पीड़ा देखी थी। उनका कहना है कि वे अपने उन दोस्तों के बेहद शुक्रगुज़ार हैं, जिन्होंने उस मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया, उन्हें खाना खिलाया। छिब्बर कहते हैं कि हम खुशनसीब हैं कि हमारे पास हमेशा अपनी जरूरत से ज्यादा खाना रहा है। खाने को बर्बाद करने से बेहतर है कि हम उसका प्रयोग किसी भूखें का पेट भरने के लिए कर सकें।

गर्व महसूस होता है, जब कोई मोहयाल अपना नाम अपने काम के कारण पूरी दुनिया में मिसाल के रूप में पेश करता है। सेवा सीमा और दायरों से बढ़ कर की ला सकती है। यही प्रकाश छिब्बर ने किया। कुछ अलग करने की दीवानगी ही मोहयालों की अलग पहचान बनाती है।

सुनील दत्त, *उत्तम नगर, नई दिल्ली*
मो. 9811966836, 9311466836

बरसात

आ गया है मौसमे बरसात
देख लूं जी भर के मैं बरसात
जून की गर्मी है तुम को अलविदा
अब न होगी और कोई बात।

प्यास जब तक मिट न जाये भूमि की
हो न जाये स्त्रोत पानी के पुनः आबाद
मेरी तुम से प्रार्थना है, प्यारे मेघ
तू बरसता ही रहे दिन–रात।

कह गया है कोई ऐसी बात
कि बात से जुड़ी है उसकी याद
मिलते ही गले से जो लग जाये तो
क्यों भला पूछूं मैं उसकी जात।

हर कदम पर जीवन एक चुनौती है
पीछे देखे कौन भला ऐसे में कोई
चल पड़ा किसान है कमर कसे
आ गया है मौसमे बरसात।

पूरनचंद बाली *'नमन, मो. 7045208241*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 3 जुलाई 2016 को मोहयाल भवन फरीदाबाद में श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें श्री बी.एल. छिब्बर, वाईस प्रेसीडेंट, जीएमएस, वरिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। फरीदाबाद के लगभग 45 मोहयाल भाई–बहनों ने सभा में भाग लिया।

मोहयाल प्रार्थना के पश्चात–

शोकः श्री सी.के. भाई जी के भाई श्री विपिन छिब्बर जी, जिनका स्वर्गवास 2 जून 2016 को व श्री भारत भूषण दत्ता जी की माता जी श्रीमती लीला देवी जी, जिनका देहांत 25 जून 2016 को हुआ, के आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया व परमात्मा से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़ कर सुनाई। प्रधान जी ने अपनी व सभा की ओर से वरिष्ठ अतिथि श्री बी.एल. छिब्बर जी का गुलदस्ता भेंट करके स्वागत किया।

रायज़ादा बाली जी ने अपने सम्बोधन में सर्वप्रथम दसवीं व बारहवीं के सभी छात्रों को परीक्षाओं में सफल होने की हार्दिक बधाई दी व कहा कि जिन छात्रों ने 85 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे 31 अगस्त 2016 तक अपनी बोर्ड मार्कशीट की सत्यापित कापी व फार्म भरकर जी.एम.एस. नई दिल्ली में जमा करवा दे।

श्री राजेन्द्र मेहता जी ने योग की जानकारी देते हुए कहा कि हमें योग केवल योग दिवस पर ही नहीं बल्कि प्रतिदिन नियमानुसार अवश्य करना चाहिए।

श्री बी.एल. छिब्बर जी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जी.एम.एस., मोहयाल बिरादरी को आगे बढ़ाने के लिए प्रयत्नशील है। उन्होंने ट्रस्ट के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इससे जो ब्याज प्राप्त होता हैं उससे कई विधवाओं व बच्चों को आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। मोहयाल आश्रम हरिद्वार व वृंदावन में लंगर फंड भी पूरे जीवन काल के लिए चलाए जाते हैं। उन्होंने और भी कई महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में उपस्थितजनों को अवगत करवाया।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि श्री बलराम दत्ता जी को All India Central Ground Water Ex-Employees Pentioners Association का अधक्ष चुना गया है। इस अवसर पर श्री बी.एल. छिब्बर जी ने श्री बलराम दत्ता जी को गुलदस्ता भेंट करके बधाई दी। वरिष्ठ अतिथि श्री बी.एल. छिब्बर जी ने लक्ष्मी जी की एक सुंदर तस्वीर मोहयाल सभा फरीदाबाद को भेंट की। श्रीमती बाला बाली व श्रीमती नागेन्द्र दत्ता जी ने मधुर भजन गाकर वातावरण को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर निम्न राशि एकत्र की गई–स्वर्गीय श्री विपिन छिब्बर जी की याद में छिब्बर परिवार ने 500 रुपए, श्री भारत भूषण दत्ता जी ने अपनी माता जी की याद में 500 रु. व श्री बलराम दत्ता जी ने अपनी शादी की 47वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में 201 रुपए भेंट किए।

श्री रमेश दत्ता जी ने श्री बी.एल. छिब्बर जी का फरीदाबाद की मासिक बैठक में सम्मलित होकर कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ देने पर उनका आभार प्रकट किया। बाली जी ने बताया कि आज के भोजन की व्यवस्था श्रीमती सुमन दत्ता ने अपने पुत्र की ध्रुव दत्ता (21 जून) व पुत्रवधु श्रीमती किम्मी दत्ता (6 जून) के जन्मदिन के अवसर पर की हैं। सभी ने उनकी बधाई दी व स्वादिष्ट भोजन का लुप्त उठाया। अगली मासिक बैठक 7 अगस्त को मोहयाल भवन में होगी।

रमेश दत्ता, प्रधान — *मो.: 9212557095*
रायज़ादा के.एस. बाली, महासचिव — *मो. 9899077041*

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 3.07.2016 को प्रधान श्री शेरजंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा नजफगढ़ नई दिल्ली–43) में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 16 भाई बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछली माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता जी ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

शुभ समाचारः श्री हर्ष दत्ता जी बताया कि उनके घर नन्हें पोते कयान (सुपुत्र दीपेश दत्ता) ने 7 जून 2016 को जन्म लिया है। सबने दत्ता परिवार को बधाई दी।

प्रधान जी ने सूचित किया कि जिन मोहयाल विधवाओं, जरूरतमंद लोगों व विद्यार्थियों को जीएमएस से आर्थिक सहायता मिलती है, वह अब बैंक के द्वारा उनके खाते में जमा होगी। इसके लिए अपने बैंक खाते का विवरण नजफगढ़ मोहयाल सभा में 7 अगस्त 2016 तक दे दें ताकि जीएमएस में जमा करवा सकें। फार्म जुलाई 2016 के मोहयाल मित्र पेज नं. 19 पर प्रकाशित है।

सभा में उपस्थित सदस्यों श्री बलदेव राज दत्ता, श्री एम.आर. बाली, श्रीमती उषा बाली, श्री दिलबाग राय बख्शी, श्री रविंदर

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

वैद तथा श्री एस.सी. छिब्बर ने सुझाव दिया कि नजफगढ़ मोहयाल सभा के प्रधान का कार्यकाल तीन साल के लिए होना चाहिए, ताकि दूसरों को भी मौका मिले।

श्रीमती उषा बाली जी ने अपने पति स्वर्गीय श्री विजय कुमार बाली की स्मृति में 250 रुपए जी.एम.एस. नजफगढ़ को भेंट किए। श्री शेर जंग बाली व श्रीमती सुषमा बाली ने अपनी शादी की वर्ष गाँठ पर 500 रुपए लोकल सभा को भेंट किए।

श्री हर्ष दत्ता जी ने अपनी सुपुत्री कु. खुशी दत्ता का विवाह चि. निमित के साथ 20 अप्रैल 2016 को धूम–धाम से सम्पन्न होने पर 501 रुपए नजफगढ़ मोहयाल सभा तथा 501 रुपए जीएमएस को भेंट किए।

सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

अगली बैठक 7 अगस्त 2016 को श्री हर्ष दत्ता सचिव के निवास स्थान, दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा नजफगढ़, नई दिल्ली–43 में शाम 19:00 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का निवेदन है।

शेर जंग बाली, *प्रधान* — *मो.: 9871756765*
हर्ष दत्ता, *सचिव* — *मो. 9312174583*

अंबाला छावनी

मोहयाल सभा अंबाला कैंट की मासिक बैठक 3 जुलाई 2016 को स्थान 12 अग्रवाल कम्पलैक्स में प्रधान श्री आई.आर छिब्बर की अध्यक्षता में 16 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद पिछली मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़ कर सुनाई गयी तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

श्रद्धांजलिः स्व. विंग कमांडर (रि.) एम.बी. दत्ता निवासी पंचकुला जिनका निधन 19.06.2016 को तथा उठाला रस्म पगड़ी 22.06.2016 को दुर्गा मंदिर सैक्टर–7, पंचकुला में हुई, सदन ने उनकी पवित्र आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर प्रभु से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करे। इस शोक सभा में अंबाला कैंट की ओर से एच.एफ.ओ. एम.एल. दत्ता जी शामिल हुए।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी सम्मान 2016: इस विषय पर जीएमएस द्वारा छपी सूचना के अनुसार, जिन परिवारों के विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करके दसवीं या बारहवीं कक्षा साल 2016 में पास की है उन्हें फार्म दे दिए गए तथा निर्धारित समय से पहले भेजने को कहा गया। दूसरा, निर्धन/जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए जी.एम.एस द्वारा आर्थिक सहायता के लिए आवेदन पत्र की सूचना दी। यह फार्म इंटरनैट से निकाल कर ज़रूरतमंद परिवारों को 8.07.16 को घर जाकर दे दिए गए। आवेदन पत्र की हिदायतों का पालन करने को ध्यान में रखा जाए।

प्रधान जी ने उन सब सदस्यों को जिनका जन्मदिन या शादी की साल गिरह जून–जुलाई में है, सबको बधाई दी तथा आश्वासन दिया कि इस प्रथा को एक बधाई कार्ड के रूप में भेंट किया जाएगा। प्रधान जी ने एक बार फिर आग्रह किया कि इस सभा से अधिक से अधिक, जी.एम.एस के स्थाई/वार्षिक सदस्य बन कर इस संस्था की पहचान बनाए रखें, दूसरी सभाओं की बैठकों में भाग लेकर, अपने विचारों का आदान–प्रदान करें।

दान राशिः श्री आई.आर. छिब्बर 500 रु., श्री डी.वी. बाली 500 रुपए, डिप्टी कमां. पी.आर मेहता 500 रु., एम.एल. दत्ता 200 रुपए, श्री धर्मेन्द्र वैद 200 रु., श्री नरेश वैद 100 रु., श्री एस. के. मेहता 100 रु., श्रीमती पूनम बाली ने सभा की सदस्यता 2016 की फीस शुल्क के 200 रु. दिए।

प्रधान जी ने जय मोहयाल के नारों से सभा की समाप्ति की तथा अगली मासिक बैठक श्री धर्मवीर बाली जी के निवास स्थान पर 7.08.2016 को शाम 5 बजे होने की सूचना दी।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* — *मो.: 9416464488*
एचएफओ एम.एल. दत्ता, *महासचिव* — *मो. 9896102843*

जगाधरी वर्कशाप

मासिक बैठक दिनांक 03.07.2016 को सभा के प्रधान सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें 15 सदस्यों ने भाग लिया। श्री कुलभूषण वैद जी जो सभा के पदाधिकारी हैं। जिन्होंने अपने बेटे के जन्म–दिवस की खुशी में मोहयाल सभा और जीएमएस को एक सौ एक रुपए भेंट किए। सभा इनका धन्यवाद करती है।

श्रीमती ज्योति मेहता ने अपने स्व. पति दीपक मेहता की पहली बरसी पर 100 रु. सभा को तथा 250 रु. जीएमएस को विधवा फण्ड में भेंट किए। श्री कृष्णलाल छिब्बर जिनका स्वर्गवास कालका में हो गया था सभा ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभा उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करती है।

श्री नरेश मेहता जी का सुझाव है कि सभी सदस्यों को परिवार सहित मथुरा वृंदावन जाने के लिए तैयार किया जाए। जो इच्छुक जाना चाहते हैं श्री नरेश मेहता जी से संपर्क करें तथा अपने सदस्यों के नाम लिखवा दें। क्योंकि उनके ठहरने और खानें का उचित प्रबध किया जा सके। उनका मो. 9896735336

सभा की अगली मासिक बैठक दिनांक 7.08.2016 को जंजघर आई.टी.आई. यमुनानगर में होगी।

सतपाल बाली, *सचिव*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 3.07.2016 को सभा के प्रधान हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद सभा के सेक्रेटरी श्री रविन्द्र छिब्बर जी के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 10 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्त जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिसका सभी ने अनुमोदन किया। सभा में आए हुए भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर जी ने अनुरोध किया कि मीटिंग में युवाओं को भी भाग लेना चाहिए।

कैप्टन सुदेश दत्त जी ने 14 जून 2016 को अपने निवास स्थान के सामने ठंडे मीठे जल की छबील लगाई ताकि सभी राहगीर अपनी प्यास बुझा सकें। सभी मोहयाल बिरादरी ने भी साथ दिया।

शोक समाचारः विंग कमांडर एम.बी. दत्त जोकि जीएमएस के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति थे व ऋत मोहन जी के बहनोई थे, उनके निधन का शोक दो मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को प्रभु चरणों में स्थान मिले।

अन्त में जलपान के लिए रविन्द्र कुमार परिवार का सभी ने धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सैक्रेटरी (मो.) 9466213488*

सहारनपुर

मोहयाल सभा सहारनपुर की मासिक बैठक 26 जून 2016 पंजाबी बाग स्थित मोहयाल भवन में अनिल बख्शी 'भोली' प्रधान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। सभा में 16 मोहयाल भाईयों ने भाग लिया। सभा की विधिवत शुरूआत गायत्री मंत्र से हुई, तत्पश्चात सचिव रवि बख्शी ने विगत माह की रिपोर्ट पढ़ी।

सर्वप्रथम आए हुए सभी सदस्यों ने अनिल भोली को शादी की सालगिरह (22 जून) की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। अनिल बख्शी 'भोली' ने कहा सभा में युवाओं की कमी महसूस होती

है, अपने साथ माह में एक बार सभी बंधु उन्हें साथ लेकर आए, जिससे मोहयाली संस्कृति का पता चल सके।

रवि बख्शी ने कहा जिनके बच्चों ने 10वीं व 12वीं कक्षा में 85 प्रतिशत अंक लेकर उत्तीर्ण हुए वो सभी फार्म भरकर दे दें, हम समय पर जी.एम.एस को लिस्ट भेज सके।

श्री राजेश बाली, योगेश बाली ने अपने विचार रखे। भविष्य में जन्म दिवस व शादी की सालगिरह की बधाई देने की जिम्मेदारी मनोज बाली को सौंपी गई।

शोक समाचारः मोहयाल सभा के वरिष्ठ सदस्य सरदार इन्दर सिंह के ज्येष्ठ पुत्र जगाधरी निवासी स. गुरजीत सिंह दत्ता के स्वर्गवास हो जाने पर व नवीन नगर निवासी प्रदुमन वैद के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर दोनों नेक आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि दी गई।

मोहयाल प्रार्थना के साथ बैठक समाप्त हुई। आगामी बैठक मनोज बाली के निवास 6–बी, पंजाबी बाग में होगी।

अनिल भोली-रवि बख्शी

सिरसा

मोहयाल सभा की मासिक बैठक 12 जून 2016 को श्री हरिकृष्ण दत्त के निवास पर प्रधान मदनलाल दत्त की अध्यक्षता में हुई। प्रति वर्ष 12 जून के दिन को विश्व बाल श्रम विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्वेश्य बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा की जरूरत पर कल देना तथा इसके प्रति लोगों को जागरूक करते हुए बाल श्रम तथा विभिन्न रूपों में बच्चों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघनों को समाप्त करना है। इस विषय पर चर्चा हुई। गर्मी के बावजूद 15 भाई बहन मीटिंग में पहुँचे। सभा में रमेश छिब्बर सचिव ने श्रीमती रैना को बी.एड. में प्रथम स्थान पाने पर बधाई दी। तथा जीएमएस का उसकी आर्थिक मदद के लिए धन्यवाद भी किया।

प्रधान जी ने सदस्यों को मोहयाल मित्र लगवाने तथा जीएमएस से जुड़े रहने के लिए आजीवन सदस्य बनने का अनुरोध भी

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

किया। रमेश छिब्बर ने कई मोहयाल भाई बहनों को मीटिंग का पता होने के बावजूद सभा में हाजिर न होने पर चिंता जताई। प्रधान जी ने अनुरोध किया कि मास में एक बार हमें अवश्य मिलना चाहिए। श्री हरिकृष्ण जी का जल–पान के लिए सभी ने धन्यवाद किया।

मदनलाल दत्त, *प्रधान* — *मो.: 08570994004*

रमेश छिब्बर, *सचिव* — *मो. 09607410014*

स्त्री मोहयाल सभा यमुना नगर

स्त्री सभा की मासिक मीटिंग 29.05.2016 को श्रीमती तारावन्ती वैद जी के निवास स्थान पर गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया, सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की।

सभी बहनों ने श्रीमती तारावंती वैद की पोती (चीना वैद) पुत्री श्रीमती डौली वैद और स्व. श्री नवीन वैद की शादी की बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने स्त्री सभा को निमंत्रण पत्र दिया।

सभी बहनों ने शादी के लिए शुभकामनाएं दी। श्रीमती तारावन्ती वैद और श्रीमती डौली वैद ने 500 रुपए स्त्री सभा यमुनानगर को दान दिए। शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई!

स्त्री सभा की मासिक मीटिंग 7.06.2016 श्रीमती अनिता जी के निवास स्थान पर गायत्री मंत्र के साथ शुरू हुई, सभी बहनों ने सभा में भाग लिया, श्रीमती कमला दत्ता जी ने सभा की अध्यक्षता की।

श्रीमती भगीरथी बाली, श्रीमती वीना वैद, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती सुनीता दत्ता और श्रीमती बाला मेहता ने विचार रखे।

सभा में नए सदस्य बनने पर जो दिया गया। सभी बहनों ने श्रीमती तारावन्ती वैद को उनकी पोती की शादी की शुभकामनाएं दीं।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*

तरुण दत्ता ने स्लोवेनिया में तिरंगा फहराया

दिल्ली के बॉडीबिल्डर तरुण दत्ता ने स्लोवेनिया में 25 से 27 जून तक हुई मिस्टर वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश का नाम रोशन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए।

भारत लौटे तरुण ने टॉल कैटेगरी में एथलीट बॉडीबिल्डिंग व मिस्टर फिटनेश में रजत और मिस्टर फिजिक में कांस्य पदक जीता। पिछले साल मिस्टर यूनिवर्स और मिस्टर वर्ल्ड में भी पदकों का ढेर लगाने वाले तरुण मिस्टर इंटरनेशल में भी पदक जीत चुके हैं। इस समय देश के सबसे बेहतरीन बॉडीबिल्डरों में से एक तरुण 23 जून को मिस्टर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेने गए थे और 12 सदस्यीय दल में उन्होंने सबसे ज्यादा पदक जीते। पिछले साल तरुण ने इसी चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था और उनकी इस बार निगाह स्वर्ण पदक पर थी लेकिन इससे वह चूक गए।

दिल्ली लौटने के बाद तरुण ने कहा कि मुख्य कोच सुनील लोचब ने पूरे दौरे में मेरा ख्याल रखा, जिससे मेरे प्रदर्शन में और निखार आया और मैं तीन पदक जीत सका। इस प्रतियोगिता के लिए मैंने पूरे साल मेहनत की थी और कई महीनों से प्रति दिन आठ से दस घंटे तक अभ्यास कर रहा था। अंतिम समय में मुझे सही प्रदर्शन करना था और मैंने वैसा ही किया। इसके अलावा मेरे कोच मंजीत सिंह के सिखाए गए गुर भी मेरे काम आए।

अब मैं अक्टूबर में होने वाली मिस्टर यूनिवर्स प्रतियोगिता की तैयारी करूंगा।

अगस्त 2016 में व्रत-त्योहार

1 अगस्त–सावन शिवरात्री, 2 अगस्त–अमावस्या, 05 अगस्त–हरियाली तीज, 6 अगस्त बिनायक चतुर्थी, 7 अगस्त–नाग पंचमी, 15 अगस्त–स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त–सावन पूर्णिमा, राखी, 21 अगस्त–कजरी तीज, 25 अगस्त–कृष्ण जन्माष्टमी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल, मोह्यालियत और इतिहास-7

आखरी मोहयाल शासक और धर्म के लिए शहीद- बन्दा वीर बैरागी

पूर्व कथाः हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध आवाज़ उठाने के लिए दिल्ली के बादशाह औरंगज़ेब ने नवें सिख गुरू तेग बहादुर जी को उनके साथियों– भाई मतीदास छिब्बर, भाई सतीदास छिब्बर और भाई दयालदास छिब्बर के साथ कैद कर लिया। उन सबको धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनने के लिए कई प्रकार के प्रलोभन और धमकियां दिए जाने पर भी उन्होंने अपना धर्म त्याग कर मुसलमान बनने से इन्कार कर दिया। बड़ी बरबर्ता से दी गई कठोर यातनाएं सहर्ष सहन करते हुए वह शहीद हो गए। उसके पश्चात दसवें गुरू गुरूगोविंद सिंह जी के संग ही चमकौर में मुगल सेना से युद्ध में (1705 ई.) भाई मतीदास छिब्बर का बेटा मुकंद राय सिंह और कश्मीर का कृपा राम सिंह दत्त भी शहीद हुए। गुरू जी के दो बेटो, अजीत सिंह और जुझार सिंह, ने भी इसी युद्ध में बलिदान दिए परन्तु गुरूजी वहां से सुरक्षित निकलने में सफल रहे।

मुग़ल राज के विरुद्ध कई ओर से विरोध हो रहा था और औरंगज़ेब दक्षिण भारत में हो रहे उपद्रवों को पूरी तरह दबा नहीं सका। उसके निधन पर उसका बेटा बहादुर शाह भारी सेना लेकर दक्षिण की ओर गया। गुरू गोविन्द सिंह भी उसके पीछे गए पर नांदेड़ (महाराष्ट्र) तक जा कर वहाँ रुक गए। संयोगवश वहां उनकी भेंट एक और छिब्बर जाति के पंजाबी मोहयाल ब्राह्मण से हुई।

आजकल के जम्मू प्रांत की सीमा पर एक छोटा सा ''मेंढर'' नाम का गाँव है। 27 अक्तूबर, 1670 ई. को वहाँ रामदेव छिब्बर के बेटे लच्छमनदेव ने जन्म लिया। बड़ा होकर जब वह समीप में एक पहाड़ी पर शिकार कर रहा था उसके तीर से एक गर्भवती हिरणी ज़ख़्मी हो गयी और उसके गर्भ से दो बच्चे गिर कर तड़पते हुए मर गए। उनकी व्यथा को देखकर लच्छमनदेव का मन बहुत विचलित हुआ। इस जीवन की नश्वरता पर गहन विचार कर, राजौरी के बाबा जानकी दास द्वारा दीक्षा लेकर वह सन्यासी हो गया। घोर तपस्या और कई साधू संतों की संगति के पश्चात वह गोदावरी नदी के तट पर नासिक पहुँचा। वहाँ योगी ओघरनाथ द्वारा दीक्षा दिए जाने पर वह माधवदास नाम से बैरागी बन गया। उसके पंद्रह वर्ष पश्चात गुरू गोविन्द सिंह वहाँ आये तो, सितंबर 1708 ई. में उनका मिलाप माधवदास बैरागी से हुआ। पंजाब में कई छिब्बर, गुरू के संग युद्धों में बलिदान दे चुके थेः दीवान साहिब चन्द, दीवान धर्म चन्द और मुकंद राय आदि। यहाँ इतनी दूर छिब्बर जाति का ही एक विचित्र व्यक्तित्व का ''बन्दा'' बैरागी उनके जीवन से जुड़ गया।

गुरू गोविन्द सिंह ने पंजाब में मुग़ल अत्याचारों के विरोध में हो रहे संघर्ष से बैरागी को अवगत कराया। उन्होंने अपने दो बेटों को चमकौर के युद्ध में शहीद होते देखा था और फिर दो छोटे बेटों की, सरहिंद के मुग़ल गवर्नर द्वारा ज़िंदा दीवार में चुने जाने की सूचना मिली थी। संभवता इस बैरागी ने गुरू की आँखों में उनके बच्चों के विनाश की वही पीड़ा देखी जो एक दिन तड़पते नवजात बच्चों को देखकर मरती हुई हिरणी की आँखों में थी। एक बार फिर उसके जीवन की दिशा बदल गयी। लच्छमन देव छिब्बर, उपनाम माधोदास बैरागी, अब गोविन्द सिंह का ''बंदाबहादुर'' बनकर, एक योधा के रूप में, मुग़ल अत्याचारों के प्रतिशोध के लिए पंजाब की ओर चल पड़ा। दिल्ली के समीप सहर खांडा पहुँच कर गुरू का हुकमनामा हर ओर भेजा। सिख आकर बन्दा वीर बैरागी के नेतृत्व में एकत्रित होने लगे।

बन्दा ने सोनीपत, सामना, ठसका, शाहबाद और मुस्तफाबाद आदि जीत कर सरकारी कोषों का धन अपने सैनिकों में बाँट दिया। परन्तु सिखों का मन तो सरहिन्द के गर्वनर वज़ीर खान से बदला लेने के लिए उबल रहा था। वज़ीर खान अपना तोपखाना और सेना लेकर सरहिन्द से निकल कर छपरा–चीरी गाँव के पास बन्दा से युद्ध करने के लिए आ गया। तोपों के सामने जब निहत्थे सिख डगमगाने लगे तो बन्दा ने आगे आकर स्वयं आक्रमण की अगुवाई की। वज़ीर खान मारा गया और बन्दा पूरी तरह विजयी रहा। उसके तीन दिन पश्चात बन्दा ने सरहिन्द पर आक्रमण किया और अपने ''लै के वैर गुरु पुत्रों दा... जानउ मुझे तब ही ''गुरूबन्दा''

वचन पूरा किया- जालंधर, होशियारपुर आदि क्षेत्रों में बड़े मुस्लिम ज़मींदारों की ज़मीनें सिखों में बाँट दीं, सतलुज से यमुना नदियों के बीच के क्षेत्र पर बंदा का पूर्ण आधिपत्य हो गया, जहां कर से 36 लाख रुपए की आय थी। बन्दा वीर बैरागी, गुरूनानक और गुरू गोविन्द सिंह के नाम पर सिक्के बना कर पूरे शाही ठाठ से राज करने लगा। वहाँ से मुगल प्रभुत्व उस समय पूरी तरह समाप्त हो गया था।

दिल्ली में राज गद्दी के लिए संघर्ष चल रहा था। बहादुरशाह और उसके उत्तराधिकारी, जहांदार शाह (1712) और फर्रुखसिय्यार (1713), जब भी उनको समय मिलता था सेना भेज कर बन्दा को पकड़ने के अभियान चलाते रहे। अंततः 7 दिसंबर, 1715 को, गुरदासपुर के पास गुरदासनंगल में बन्दा और उसके साथी वीरता के साथ लड़ते हुए पकड़ लिए गए।

इस्लामिक पद्दिति के अनुसार उनको इस्लाम कबूल करने या मृत्यु की सज़ा सुनाई गयी। बन्दा और उसके साथियों ने धर्म परिवर्तन से इन्कार कर दिया। बंदा के शिशु बालक को निर्दयता से मार कर उसका फड़फड़ाता ह्रदय बाप के मुँह में ठोसा गया। बन्दा का एक–एक अंग हाथ, पैर, आँखें उसके जीवित शरीर से काटे गए और फिर उसके शरीर के टुकड़े–टुकड़े

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

कर दिए। बन्दा वीर बैरागी शांत मन से यह सब सहन करता हुआ अपने आराध्य देव के चरणों में लीन हो गया। इस मोहयाल सपूत ने, अपनी शहादत देकर, मुग़लों के अजय होने के भ्रम को तोड़ा और एक प्रभुसत्ता सम्पन्न हिन्दू राज की नींव रखी, जिससे अंततः पंजाब में सिख राज स्थापित हो सका।

आर.टी. मोहन (पंचकुला) मो. 09464544728
E-mail: rtmwrite@yahoo.co.in

पुनश्चः- 1899 ई. में रविन्द्र नाथ टैगोर ने इस बैरागी की शहादत के वृतांत से प्रभावित होकर एक मार्मिक कविता "बन्दी बीर" (बहादुर कैदी) लिखी। परन्तु देश तो उसे भूल ही गया। सिख समुदाय ने भी बाबा बन्दा सिंह बहादुर को याद करने में बहुत देरी कर दी। छपर चीरी पर, जहाँ बन्दा ने मुग़ल शक्ति को पराजित किया था, एक भव्य "फतह बुर्ज" बनाया गया है। पर इस वर्ष तो जैसे पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के मुख्य मंत्रियों में बन्दा की तृतीय–शताब्दी बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में होड़ सी लग गई है। भारत के गृहमंत्री और प्रधान मंत्री भी आमंत्रित किए जा रहे हैं।

यदि मोहयाल अपने इस सपूत को याद रखते और उसके मोहयाल छिब्बर होने का प्रचार करते तो सभी मुख्यमंत्री मोहयाल नेताओं को इन समारोहों में विशेष रूप से आमंत्रित करते। उसी प्रकार जैसे "शहीद भाई मती दास मैमोरियल ट्रस्ट" चंडीगढ़ की स्थापना में मोहयाल शीर्ष नेताओं की विशेष भूमिका थी।

अब भी मोहयाल इतिहास के स्वर्ण पन्नों के प्रचार के लिए देरी नहीं है। ऐसे कामों के लिए कुछ जुनून और जज़्बा आवश्यक होता है– जिससे ग्रस्त हमारे कई करियाला के छिब्बर भाई अपने–अपने क्षेत्र में भाई मतीदास की स्मृति में कार्यक्रम करते रहे। पर अब तो वह भी यादें बन कर रह गयी हैं।– *आर.टी. मोहन*

जी.एम.एस. और मोहयाल मित्र के सदस्य बनें

- मोहयाल मित्र बिरादरी की धड़कन है, बिरादरी की शान है, परिवारों के सुख–दुःख का साथी है। इससे देश–विदेश में बसे मोहयालों के समाचार एक–दूसरे तक पहुँचते हैं। रिश्ते–नाते कराने का माध्यम है। जीएमएस द्वारा किए कार्यों और योजनाओं की जानकारी का साधन है। मोहयाल मित्र का वार्षिक शुल्क केवल 200 रु. हैं
- जनरल मोहयाल सभा के आजीवन सदस्य बनें। आजीवन सदस्यता शुल्क 3100 रु. है। मोहयालों की सर्वोच्च संस्था के कदम के साथ कदम मिलाकर चलें। आजीवन सदस्यों को मोहयाल मित्र आजीवन निःशुल्क मिलता है।
- मोहयाल मित्र कोरियर से प्राप्त करने के लिए कार्यालय से संपर्क करें।

समस्त जानकारियों के लिए संपर्क करें–011–26560456

श्रीमती राम चमेली वैद जी का स्वर्गवास

श्रीमती रामचमेली वैद (92) निवास स्थान 217–एल, मॉडल टाऊन, यमुनानगर (हरियाणा) का देहांत 23.05.2016 को हुआ। उनका जन्म 27.8.1925 को मैहता बोधराज छिब्बर (रिट. थोरपियन रेलवे गार्ड) के घर हुआ था। वह पढ़ाई लिखाई में बहुत होशियार थी, सारा जीवन हिन्दी अखबार जरूर पढ़ती थीं। उनका विवाह मैहता राम वैद (रेलवे आफिसर) के साथ हुआ। सुखपूर्वक 40 वर्ष की छोटी आयु में ही विधवा हो गई, कुछ समय बाद अपने बड़े पुत्र मनमोहन वैद को भी खो दिया। इस दुःख की घड़ी में उनकी दोनों बेटियों ने उनको व छोटे बेटे को व घर को संभाला। इन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दी व उनका विवाह अच्छे घरों में कराया।

उन्होंने अपनी जीवन में अपनी ननद स्वर्गीय भागवंती देवी वैद जी को सदा अपने पास रखा और उनकी तन–मन–धन से सेवा की। सेवा भाव उनके जीवन में कूट–कूट कर भरा था। हम ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हैं और हम सब ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनको अपने चरणों में वास देना। परिवार ने 200 रुपए जीएमएस में भेंट किए।

श्री खुशिन्द्र मोहन वैद–पुत्र, श्रीमती कल्पना वैद–पुत्रवधु, श्रीमती सरोज दत्ता–पुत्री, श्री हरीश दत्ता–दामाद, श्रीमती मोहनी माथुर–पुत्री, श्री राजेश्वर दयाल माथुर–दामाद, श्रीमती रुपाली छिब्बर–पौत्री, श्री हरदेश छिब्बर–दामाद, श्री गौरव वैद–पौत्र।

राजेश मेहता का निधन

श्री राजेश मेहता (52) पुत्र स्व. मंगतराम मेहता निवासी विजय विहार, रिठाला, दिल्ली का निधन 17 जून 2016 को आई. एल.बी.एस. अस्पताल में हुआ। उनकी रस्म पगड़ी 20 जून 2016 को हुई। रस्म–पगड़ी के समय मोहयाल बिरादरी व रिश्तेदार बंधुओं ने अपनी संवेदना प्रकट की।

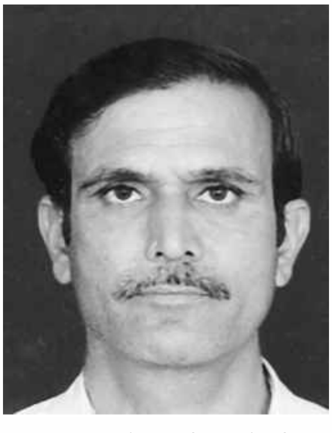

श्री राजेश मेहता के पिता श्री मंगतराम मेहता पाकिस्तान के जिला जेहलम के गाँव सराय नरंगाबाद के रहने वाले थे। श्री राजेश मेहता ने अपनी शिक्षा

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

दिल्ली में पूरी करने के उपरांत अपने पिता के साथ यू.ए.ई के आबू धाबी में व्यवसाय किया। श्री राजेश मेहता का विवाह 1993 में फरीदाबाद के श्री रामस्वरूप बाली व श्रीमती विमला बाली की सुपुत्री आरती बाली के साथ हुआ था। उसके उपरांत दिल्ली के रिठाला में अपना निवास बनाया। श्री राजेश मेहता अपने पीछे अपनी माता श्रीमती मीना मेहता, धर्मपत्नी श्रीमती आरती मेहता, दोनों सुपुत्र करन मेहता व वरूण मेहता, भाई–भाभी नरेश मेहता, वर्षा मेहता, मुकेश मेहता–भावना मेहता, बहन व जीजाजी रजनी छिब्बर–संजय छिब्बर (मोदी नगर) को छोड़ गए। रस्म पगड़ी के समय उनकी माता श्रीमती मीना मेहता ने जीएमएस को 500 रुपए भेंट किए।

*–**मुकेश मेहता,** जी–56, विजय विहार, फेस–1, रिठाला, दिल्ली, मो. 9136637477*

श्रीमती स्वर्णा दत्ता का निधन

स्वर्गीय श्रीमती स्वर्णा दत्ता धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री निहाल चन्द्र दत्ता 26 अप्रैल, 2016 को इस संसार को छोड़ कर प्रभु चरणों में विराजमान हो गई। उनका जन्म 13 अप्रैल 1932 को स्वर्गीय श्री नानक चन्द्र वैद जी के घर हुआ। वह स्वर्गीय श्री दलीप चन्द्र दत्ता के परिवार में सबसे बड़ी बहू थी। उन्होंने अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को भली–भाँति निभाया।

उनका सारा जीवन सेवा–भाव से भरा हुआ था। वह ममता वात्सल्य और दया की मूर्ति थी। उनकी सौम्य मूर्ति आँखों के सामने आने पर मन व्यथित होता है। सही अर्थो में वह एक कर्मयोगी थी। उनका जीवन हमारे लिए सदा प्रेरणादायक रहेगा। उनकी याद में उनकी बेटी सुषमा छिब्बर धर्मपत्नी श्री गुलशन छिब्बर ने जी.एम.एस. को 500 रुपए भेंट किए। परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।*–**जी.के. बक्शी,** (मो.) 9560544726*

भाई को श्रद्धांजलि

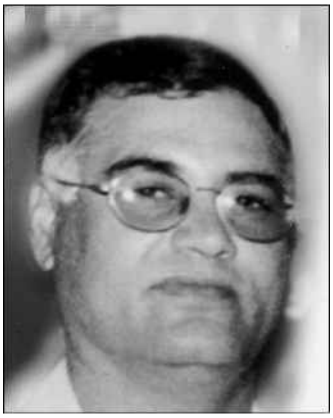

6 जुलाई 2015 को राजेन्द्र वैद (पप्पू) (पुत्र जनक दुलारी वैद एवं स्व. ओम प्रकाश वैद) 6 वर्ष की लम्बी बीमारी के बाद सम्पूर्ण परिवार को दुःख के सागर में छोड़ कर परमात्मा में विलीन हो गए। वह मिलनसार ज़िंदादिल और दयालु था। मित्र परिचित एवम् रिश्तेदार सबको अपनी आत्मीयता में अपना बनाने वाला मेरे भाई घर को सुना कर गया। उसके आत्मबल और हिम्मत ही उसे अपनी बीमारी से लड़ने की शक्ति देते रहे। उस कष्टमय वर्षो में जिन परिवारजन मित्रों एवं दोस्तों ने उसे साहस दिया, उनको तहे दिल से शुक्रिया। ईश्वर से प्रार्थना है कि उसकी आत्मा को शांति दें। उसकी मुस्कान और मिलनसार होने की अनुभूति सदा सबको प्रेरणा देगी। इस अवसर पर विधवा फण्ड में 1000 रुपए भेंट कर रही हूँ।

*स्नेह के साथ–**नीना छिब्बर** (बहन), 17/653 चोपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर।*

श्रद्धांजलि

6 अप्रैल 2016 को पहली बरसी पर श्रीमती जयोती मेहता (लौ) ने अपने पति स्वर्गीय दीपक मेहता (लौ) 194/26 वीना नगर कैम्प यमुना नगर श्रद्धांजिल भेंट की। इस अवसर पर श्रीती जयोती मेहता ने 250 रुपए जनरल मोहयाल सभा और 100 रुपए जगाधरी वर्कशाप मोहयाल सभा को भेंट किए।

समाज सेवी स्वर्गीय श्री वेदव्यास दत्त जी

धर्ममूर्ति, ज्ञानमूर्ति, स्वजाति भाई व उच्च कोट के समाजसेवी स्वर्गीय श्री वेदव्याज दत्त जी के स्वर्गवास का समाचार मुझे दिनांक 20.05.2016 को रात्रि सवा नौ बजे मिला।

यह समाचार सुनकर आत्मा को हार्दिक कष्ट हुआ। सर्वश्री स्व. वेदव्यास जी मेरे परम मित्र थे। वो उच्च कोटि के विद्वान और लेखक थे। गीता–भागवत्–रामायण व अनेक धार्मिक ग्रन्थों का उन्होंने अध्ययन किया था और अनेक पुस्तकें समाज के हित के लिए लिखी थीं। वो अच्छे वक्ता, उपदेशक व सर्वप्रिय समभाव निश्छल व्यक्तित्व के सन्त थे। यहाँ हमारे मित्र व संत उन्हें योगीराज सन्त शिरोमणि परिब्राजकाचार्य की उपाधि से सम्मानित करते थे। उनकी कमी हमें जीवन भर खलती रहेगी। मैंने अपने जीवनकाल में हजारों लाखों नाम सुने होंगे, परन्तु आज तक वेदव्यास नाम किसी का नहीं सुना। उनके माता–पिता ने यह नाम बड़ी दूरदर्शिता से उन्हें दिया होगा। वो वास्तव में ही वेदव्यास थे।

हम सब मिलकर जगतनियन्ता से यह प्रार्थना करते हैं कि उनकी पवित्र व शान्त धीर गंभीर आत्मा को श्री गंगा माता शान्ति प्रदान करें और परिवार के सभी सदस्यों को यह कष्ट–वियोग सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

ऊँ शांति! शांति!! शांति!!!

*तीर्थ पुरोहित **पं. रामेश्वर प्रसाद शर्मा,** प्रधान कनखल हरिद्वार*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मन भावन सावन

आइयो री! मन भावन सावन।
स्वागत स्वागत! करें अभिनंदन।।

घनघोर घटाएँ नभ में छाई,
घुमड़ घुमड़ वर्षा ऋतु आई,
भर गये लाल–तड़ाग अधूरे,
नदी नद नाले जल से पूरे।

सखी गीत तीज के गावन।
आइयो री! मन भावन सावन।।

हरे भरे सब बाग–बगीचे
हरे हुए वन कानन,
पंखी पंछी सब मस्त हुए अब,
खिल गया किसान का आनन।।

मस्त मयूर नाचै बिच बागन।
आइयो री! मन भावन सावन।।

बाल–मंडली हुड़दंग मचाएं
कागज की नित नाव बनाएं
बारिश के जल में तैराएं
तन बदन वसन सब भीगाएं।।

खायें जी–भर आम औं जामुन।
आइयो री मन भावन सावन।।

ऋतुओं की रानी है आई,
हरी भरी श्रृंगार सजाई,
हर्षित हुए सब लोग–लुगाई
भर–भर पी लो, जी लो भाई
मेंढक ने भी टर्र–टर्र लगाई।

झूले पड़ गए सखी डालन,
आइयो री! मन भावन सावन,
स्वागत स्वागत करें अभिवादन।।

नूतन वशिष्ठ लौ, *वसंत विहार, देहरादून*
फोन: 0135–2769702

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

यह मैंने नहीं लिखा है...

सन् 2095 यानी की आज से 79 साल बाद।

रितेश अपने कमरे में चुपचाप गुमसुम सा बैठा है... तभी मम्मी की तरंगे कैच होने लगती है। (समय तक शायद मोबाईल म्यूज़ियम में दिखेंगे और ऐसे छोट छोटे ऊँगली में फिट होने वाले गजेट्स आ जायेंगे, जिनका बटन ऑन करने के बाद जिस व्यक्ति के बारे में सोचेंगे उससे मानसिक तरंगों से बात शुरू हो जाएगी जैसे आजकल मोबाईल से होती है।

रितेश : हलो मम्मी... कैसी है आप ???

मम्मी : ठीक हूँ बेटा... तू बता अभी अमेरिका में धूम निकली की नहीं??

रितेश : नहीं मम्मी अभी कहाँ... करीब दो महीने तो हो ही गए... अभी तक अंधेरा ही है और मौसम विभा की भविष्यवाणी हुई है कि अभी एक महीने और सूरज निकलने के आसार नहीं है।

मम्मी : हम्मम यहाँ भी स्थिति ठीक नहीं हैं... पिछले एक महिने से सूरज ढल ही नहीं रहा... 85 डिग्री सेल्यिस तापमान बना हुआ है... भयंकर पराबैंगनी किरणे फैली हुई है... कल ही पड़ोस वाले जोशी जी का मांस पिघल कर गिरने लगा था.. वो अभी भी आई.सी.यू. में भर्ती हैं।

रितेश : ओह्ह तो क्या उन्होंने घर पे ओजोन कवर नहीं लगा रखा है क्या???

मम्मी : घर पर लगवा तो रखा है पर उनकी कार का ओजोन कवर थोड़ा पुराना हो गया था, इसलिए... उसमें छेद हो गया और पराबैगनी किरणे उनकी बॉडी से टच हो गई थी।

रितेश : अच्छा मम्मी आपने सुना इधर एक बड़ी घटना हो गई... परसो अमेरिका के किसी कस्बे एक पौधा पाया गया... पूरी दुनिया में अफरातफरी मच गई दुनिया भर के वैज्ञानिक वहाँ इकट्ठा हो गए काफी रिसर्च चल रही आखिर दुनिया में एक वनस्पति दिखाई देना बहुत बड़ी बात है।

मम्मी : अच्छा बेटा तू टाईम से अपने भोजन के कैप्सूल तो लेता हैं ना??? और हाँ वो पानी वाले केप्सूल लेना मत भूलना वरना तेरी तबियत खराब हो जाएगी। और टाईम से ऑक्सीजन लेने में लापरवाही कर दी थी पूरे फेफड़े ही बदलवाने पड़ गए... तू तो जानता ही है कि अच्छे वाले फेफड़े कितने मंहगे हो गए है...।

रितेश : मम्मी अभी बजाज के फेफड़े लांच होने वाले हैं जो कीमत में काफी कम है और सर्विस होंडा के फेफड़ों जैसी ही रहेगी। और हां मम्मी आप भी याद रखना घर में तीन चार लिवर एक्स्ट्रा रखा करो...यूँ भी दादाजी को हर तीन महीने में नया लिवर लगता ही है... एकाध एक्स्ट्रा में भी रहना चाहिए कब रात में भी जरूरत पड़ जाए।

आपको शायद यह मजाक लग सकता है पर अपनी आने वाली पीढ़ी को इन परिस्थितियों से बचाना है तो ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाइये। अपने दोस्तों, रिश्तेदारों, कलीग्स को भी इसके लिए प्रेरित कीजिए।

राजेश दत्ता, *सदस्य जीएमएस एमसी*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

13th PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2016

Classes Secondary (Class X) and Sr. Secondary (Class XII)

(Only for Mohyal Students)

Eligibilty: 85% (percent) and above **Last Date: 31st August 2016**

1. Name: .... **(Caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)**
2. Mother's Name: ....
3. Father's Name: .... (Caste ....)
4. Date of Birth: .... (Class passed ....)
5. Residential Address: ....

   ....

   Mobile No. .... Phone No. ....

   E-mail: ....

6. Name and address of School: ....

   ....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks / Grades
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	Percentage ....

....
Signature of Student

....
Signature of Mother/Father/Guardian's

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2016 Board Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Convenor, Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

(a) You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

(b) Only Mohyal Students with caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid are eligible.

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor